

ॐ

गुणानां त्वा गुणपतिः हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आनशृण्वन्नृतिभिस्सीदसादनम् ॥

गुरुर्ब्रह्मा गुरुर्विष्णुर्गुरुर्देवो महेश्वरः ।
गुरुस्साक्षात् परब्रह्मा तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अज्ञान तिमिरान्धस्य ज्ञानाञ्जन शलाकया ।
चक्षुरुन्मीलितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

अखण्ड मण्डलाकारं व्याप्तं येन चराचरम् ।
तत्पदं दर्शितं येन तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

सङ्गीत पुस्तकम्

गुरु : श्री श्रीधर नरसिहम्

अनुक्रमणिका

सरल वरसे	1
दीर्घ वरसे	3
दाट्ट वरसे	5
मन्दर स्थायि वरसे	7
तार स्थायि वरसे	9
झण्टि वरसे	11
स्वर राग ताल शास्त्र	15
अलङ्काराः	16
पिळ्ळारि गीतानि	20
श्री गणनाथ	20
कुन्द गौर	21

सरल वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि द प । स* नि । द प ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि स रि । स रि । ग म ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* नि स* नि । स* नि । द प ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प म । ग रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द प । म प । द नि ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

५.

॥ स रि ग म । प म । द प ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द प । म प । ग म ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

६.

॥ स रि ग स । रि ग । स रि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥

॥ सँ नि द सँ । नि द । सँ नि ॥

॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

दीर्घ वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प , । प , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । म , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प , । स , ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* , ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प , । स रि ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥
॥ स* नि द प । म , । स* नि ॥
॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प , । द नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि सं* ॥

॥ सं* नि द प । म , । ग रि ॥

॥ सं* नि द प । म ग । रि स ॥

दादु वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स ग रि म । ग प । म द ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* द नि प । द म । प ग ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स म रि प । ग द । म नि ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* प नि म । द ग । प रि ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स प रि द । ग नि । म स ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* म नि ग । द रि । प स ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स ग प नि । रि म । द स* ॥

॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

॥ स* द म रि । नि प । ग स ॥

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥

मन्दर स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

२.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स र । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

३.

॥ स* नि द प । म ग । रि स ॥
॥ स , स , । स , । स , ॥
॥ स नि* द* प* । द* नि* । स रि ॥

॥ ग म प म । ग रि । स नि* ॥
॥ स नि* द* नि* । स रि । ग म ॥
॥ प म ग रि । स र । स नि* ॥
॥ स नि* स रि । स रि । ग म ॥
॥ स रि ग म । प द । नि स* ॥

तार स्थायि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स रि ग म । प द । नि सं ॥
॥ सं , सं , । सं , । सं , ॥
॥ द नि सं रि । सं नि । द प ॥
॥ सं नि द प । म ग । रि स ॥

२.

॥ स रि ग म । प द । नि सं ॥
॥ सं , सं , । सं , । सं , ॥
॥ द नि सं रि । सं सं । रि सं ॥
॥ सं रि सं नि । द प । म प ॥
॥ द नि सं रि । सं नि । द प ॥
॥ सं नि द प । म ग । रि स ॥

३.

॥ स रि ग म । प द । नि सं ॥
॥ सं , सं , । सं , । सं , ॥

॥ द नि सँ रिं । गं रिं । सँ रिं ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ सँ । रिं सँ ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ नि । द प ॥
 ॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

४.

॥ स रि ग म । प द । नि सँ ॥
 ॥ सँ , सँ , । सँ , । सँ , ॥
 ॥ द नि सँ रिं । गं मं । गं रिं ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । गं रिं । सँ रिं ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ सँ । रिं सँ ॥
 ॥ सँ रिं सँ नि । द प । म प ॥
 ॥ द नि सँ रिं । सँ नि । द प ॥
 ॥ सँ नि द प । म ग । रि स ॥

झण्टि वरसे

रागम् : मायामालवगौळ

तालम् : आदि

१.

॥ स स रि रि ग ग म म । प प द द । नि नि सं सं ॥

॥ सं सं नि नि द द प प । म म ग ग । रि रि स स ॥

२.

॥ स स रि रि ग ग म म । रि रि ग ग । म म प प ॥

॥ ग ग म म प प द द । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि नि सं सं । सं सं नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि द द प प म म । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग रि रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

३.

॥ स स रि रि ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥

॥ रि रि ग ग म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥

॥ ग ग म म प प म म । ग ग म म । प प द द ॥

॥ म म प प द द प प । म म प प । द द नि नि ॥

॥ प प द द नि नि द द । प प द द । नि नि सं सं ॥

॥ सं सं नि नि द द नि नि । सं सं नि नि । द द प प ॥

॥ नि नि द द प प द द । नि नि द द । प प म म ॥

॥ द द प प म म प प । द द प प । म म ग ग ॥

॥ प प म म ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥
॥ म म ग ग रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

४.

॥ स स म म ग ग रि रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
॥ रि रि प प म म ग ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
॥ ग ग द द प प म म । ग ग म म । प प द द ॥
॥ म म नि नि द द प प । म म प प । द द नि नि ॥
॥ प प सँ सँ नि नि द द । प प द द । नि नि सँ सँ ॥
॥ सँ सँ प प द द नि नि । सँ सँ नि नि । द द प प ॥
॥ नि नि म म प प द द । नि नि द द । प प म म ॥
॥ द द ग ग म म प प । द द प प । म म ग ग ॥
॥ प प रि रि ग ग म म । प प म म । ग ग रि रि ॥
॥ म म स स रि रि ग ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

५.

॥ स स ग ग रि रि म म । स स रि रि । ग ग म म ॥
॥ रि रि म म ग ग प प । रि रि ग ग । म म प प ॥
॥ ग ग प प म म द द । ग ग म म । प प द द ॥
॥ म म द द प प नि नि । म म प प । द द नि नि ॥
॥ प प नि नि द द सँ सँ । प प द द । नि नि सँ सँ ॥

॥ सं^{*}सं^{*} द द नि नि प प । सं^{*}सं^{*} नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि प प द द म म । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द म म प प ग ग । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प ग ग म म रि रि । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म रि रि ग ग स स । म म ग ग । रि रि स स ॥

६.

॥ स स रि स स रि स रि । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि ग रि रि ग रि ग । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग म ग ग म ग म । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म प म म प म प । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प द प प द प द । प प द द । नि नि सं^{*}सं^{*} ॥
 ॥ सं^{*}सं^{*} नि सं^{*} सं^{*}नि सं^{*}नि । सं^{*}सं^{*} नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि द नि नि द नि द । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द प द द प द प । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प म प प म प म । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग म म ग म ग । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स रि रि ग स रि ग । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि ग ग म रि ग म । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग म म प ग म प । ग ग म म । प प द द ॥

॥ म म प प द म प द । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प द द नि प द नि । प प द द । नि नि सं सं ॥
 ॥ सं सं नि नि द सं नि द । सं सं नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि द द प नि द प । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द प प म द प म । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प म म ग प म ग । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म ग ग रि म ग रि । म म ग ग । रि रि स स ॥

७.

॥ स स स रि रि रि ग म । स स रि रि । ग ग म म ॥
 ॥ रि रि रि ग ग ग म प । रि रि ग ग । म म प प ॥
 ॥ ग ग ग म म म प द । ग ग म म । प प द द ॥
 ॥ म म म प प प द नि । म म प प । द द नि नि ॥
 ॥ प प प द द द नि सं । प प द द । नि नि सं सं ॥
 ॥ सं सं सं नि नि नि द प । सं सं नि नि । द द प प ॥
 ॥ नि नि नि द द द प म । नि नि द द । प प म म ॥
 ॥ द द द प प प म ग । द द प प । म म ग ग ॥
 ॥ प प प म म म ग रि । प प म म । ग ग रि रि ॥
 ॥ म म म ग ग ग रि स । म म ग ग । रि रि स स ॥

स्वर-राग-ताल शास्त्र

स्वराः

- षड्ज - प्रकृति
- रिषभ - शुद्ध (रि₁) चतुःश्रुति (रि₂) षड्श्रुति (रि₃)
- गान्धार - शुद्ध (ग₁) साधारण (ग₂) अन्तर (ग₃)
- मध्यम - शुद्ध (म₁) प्रति (म₂)
- पञ्चम - प्रकृति
- धैवत - शुद्ध (द₁) चतुःश्रुति (द₂) षड्श्रुति (द₃)
- निषाद - शुद्ध (नि₁) कैशिकी (नि₂) काकली (नि₃)

अलङ्काराः (रागम् : मायामालवगौळ)

१. चतुरश्र जाति ध्रुव ताल (१ ० । ।)

॥ स रि ग म । ग रि । स रि ग रि । स रि ग म ॥
॥ रि ग म प । म ग । रि ग म ग । रि ग म प ॥
॥ ग म प द । प म । ग म प म । ग म प द ॥
॥ म प द नि । द प । म प द प । म प द नि ॥
॥ प द नि स* । नि द । प द नि द । प द नि स* ॥
॥ स* नि द प । द नि । स* नि द नि । स* नि द प ॥
॥ नि द प म । प द । नि द प द । नि द प म ॥
॥ द प म ग । म प । द प म प । द प म ग ॥
॥ प म ग रि । ग म । प म ग म । प म ग रि ॥
॥ म ग रि स । रि ग । म ग रि ग । म ग रि स ॥

२. चतुरश्र जाति मध्य ताल (१ ० । ।)

॥ स रि ग रि । स रि । स रि ग म ॥
॥ रि ग म ग । रि ग । रि ग म प ॥
॥ ग म प म । ग म । ग म प द ॥
॥ म प द प । म प । म प द नि ॥
॥ प द नि द । प द । प द नि स* ॥
॥ स* नि द नि । स* नि । स* नि द प ॥
॥ नि द प द । नि द । नि द प म ॥

॥ द प म प । द प । द प म ग ॥
 ॥ प म ग म । प म । प म ग रि ॥
 ॥ म ग रि ग । म ग । म ग रि स ॥

३. चतुरश्र जाति रूपक ताल (० ।)

॥ स रि । स रि ग म ॥
 ॥ रि ग । रि ग म प ॥
 ॥ ग म । ग म प द ॥
 ॥ म प । म प द नि ॥
 ॥ प द । प द नि स* ॥
 ॥ स* नि । स* नि द प ॥
 ॥ नि द । नि द प म ॥
 ॥ द प । द प म ग ॥
 ॥ प म । प म ग रि ॥
 ॥ म ग । म ग रि स ॥

४. मिश्र जाति झम्प ताल (। उ ०)

॥ स रि ग स रि स रि । ग । म , ॥
 ॥ रि ग म रि ग रि ग । म । प , ॥
 ॥ ग म प ग म ग म । प । द , ॥
 ॥ म प द म प म प । द । नि , ॥

॥ प द नि प द प द । नि । सँ* , ॥
 ॥ सँ* नि द सँ* नि सँ* नि । द । प , ॥
 ॥ नि द प नि द नि द । प । म , ॥
 ॥ द प म द प द प । म । ग , ॥
 ॥ प म ग प म प म । ग । रि , ॥
 ॥ म ग रि म ग म ग । रि । स , ॥

५. तिश्च जाति त्रिपुट ताल (। ० ०)

॥ स रि ग । स रि । ग म ॥
 ॥ रि ग म । रि ग । म प ॥
 ॥ ग म प । ग म । प द ॥
 ॥ म प द । म प । द नि ॥
 ॥ प द नि । प द । नि सँ* ॥
 ॥ सँ* नि द । सँ* नि । द प ॥
 ॥ नि द प । नि द । प म ॥
 ॥ द प म । द प । म ग ॥
 ॥ प म ग । प म । ग रि ॥
 ॥ म ग रि । म ग । रि स ॥

६. खण्ड जाति अट्ट ताल (। । ० ०)

॥ स रि , ग , । स , रि ग , । म , । म , ॥

॥ रि ग , म , । रि , ग म , । प , । प , ॥
 ॥ ग म , प , । ग , म प , । द , । द , ॥
 ॥ म प , द , । म , प द , । नि , । नि , ॥
 ॥ प द , नि , । प , द नि , । सँ , । सँ , ॥
 ॥ सँ नि , द , । सँ , नि द , । प , । प , ॥
 ॥ नि द , प , । नि , द प , । म , । म , ॥
 ॥ द प , म , । द , प म , । ग , । ग , ॥
 ॥ प म , ग , । प , म ग , । रि , । रि , ॥
 ॥ म ग , रि , । म , ग रि , । स , । स , ॥

५. चतुरश्र जाति एक ताल (।)

॥ स रि ग म ॥ रि ग म प ॥
 ॥ ग म प द ॥ म प द नि ॥
 ॥ प द नि सँ ॥ सँ नि द प ॥
 ॥ नि द प म ॥ द प म ग ॥
 ॥ प म ग रि ॥ म ग रि स ॥

पिळ्ळारि गीतानि

१. श्री गणनाथ

रागम् : मलहरि

तालम् : रूपक

आरोहणम् : स रि₁ म₁ प द₁ स*

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स* द₁ प म₁ ग₃ रि₁ स

॥	म	प	द	स*	स*	रि*	॥	रि*	स*	द	प	म	प	॥
	श्री		ग	ण	ना	थ		सिन्	धू		र	व	र्ण	
	सिद्	ध	चा		र	ण		ग	ण	से		वि	त	
	स	क	ल	वि	द्या			आ	दि	पू		जि	त	
॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	क	रु	ण	सा	ग	रा		क	रि	व	द	ना		
	सिद्	धि	वि	ना	य	का		ते		न	मो	न	मो	
	सर्		वो		त्त	म		ते		न	मो	न	मो	
॥	स	रि	म	,	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स	,	॥
	लम्		बो		द	र		ल	कु	मि	क	र		
॥	रि	म	प	द	म	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	अम्		बा		सु	त		अ	म	र	वि	नु	त	

२. कुन्द गौर

रागम् : मलहरि

तालम् : रूपक

आरोहणम् : स रि_१ म_१ प द_१ स*

रचयिता : श्री पुरन्दर दास

अवरोहणम् : स* द_१ प म_१ ग_३ रि_१ स

॥	द	प	म	ग	रि	स	॥	रि	म	प	द	म	प	॥
	कुन्	द	गौ			र		गौ		रि		व	र	
	चन्	द	मा			म		मन्		दा		कि	नि	
	हि	म	कू			ट		सिम्		हा		स	न	
॥	द	रि*	रि*	स*	द	प	॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	मन्	दि	रा			य		मा		न	म	कु	ट	
	मन्	दि	रा			य		मा		न	म	कु	ट	
	वि	रु	पा			क्ष		क	रु	णा		क	र	
॥	स		रि		रि		॥	द	प	म	ग	रि	स	॥
	मन्		धा		रा			कु	सु	मा		क	र	
॥	स	रि	प	म	ग	रि	॥	स	रि	ग	रि	स		॥
	म	क	रन्		दं			व		सि	तु	रे		

रागाः

मलहरि

कुन्द गौर, 21

श्री गणनाथ, 20

रचयिता

श्री पुरन्दर दास

कुन्द गौर, 21

श्री गणनाथ, 20